नवभारत
भोपाल, मंगलवार 17 मार्च, 2025

खुदी सड़क और उड़ती धूल से व्यापारी परेशान

खास बातें

- तिलक चौक पर व्यापारियों का प्रदर्शन
- पेयजल पाइपलाइन के लिए तिलक चौक से नीमताल तक खोदी गई सड़क

नवभारत न्यूज

विदिशा 16 मार्च,शहर में पेयजल पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई सड़क खुदाई अब स्थानीय लोगों और व्यापारियों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है.तिलक चौक से गांधी चौक होते हुए नीमताल तक करीब डेढ़ महीने पहले नगर पालिका द्वारा सड़क खोदी गई थी, लेकिन अब तक सड़क की मरम्मत नहीं होने से यहां गड्ढे और धूल की समस्या बढ़ गई है. इससे नाराज व्यापारियों ने तिलक चौक पर एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया और नगर पालिका के खिलाफ जमकर नारेबाजी की.

व्यापारियों का कहना है कि सड़क की खुदाई के बाद से इलाके में लगातार धूल उड़ रही है, जिससे दुकानों में रखा सामान खराब हो रहा है.साथ ही सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है.क्षेत्र के व्यापारियों और राहगीरों को इस स्थिति से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने बताया कि कई बार नगर पालिका को इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. उनका कहना है कि तिलक चौक से नीमताल तक का यह मार्ग शहर का व्यस्त बाजार क्षेत्र है, जहां दिनभर बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आते हैं। सड़क खराब होने से ग्राहकों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है, जिससे व्यापार पर भी असर पड़ रहा है.प्रदर्शन की सूचना मिलने के बाद नगर पालिका के अधिकारी आर.के. वर्मा मौके पर पहुंचे और व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं.

इस दौरान व्यापारियों ने अधिकारियों को सड़क की बदहाल स्थिति दिखाते हुए जल्द से जल्द मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की.व्यापारियों नवल शास्त्री, संजीव जैन और जमना कुशवाह ने बताया कि सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है.धूल और गड्ढों की वजह से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है, इसलिए जल्द से जल्द सड़क को ठीक किया जाना चाहिए.वहीं नगर पालिका के आर.के. वर्मा ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि समस्या को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही सड़क की मरम्मत कराकर स्थिति में सुधार किया जाएगा. उन्होंने कहा कि पेयजल पाइपलाइन का काम पूरा होने के बाद सड़क निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू कराया जाएगा, ताकि लोगों को राहत मिल सके.

डायवर्सन राशि बकाया होने पर गार्डन सील, राजस्व विभाग की कार्रवाई

तहसीलदार और नायब तहसीलदार ने गार्डन, स्कूल और अस्पतालों में तेज किया निरीक्षण अभियान

नवभारत न्यूज

विदिशा 16 मार्च,विदिशा में राजस्व विभाग द्वारा बकाया राजस्व की वसूली के लिए सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है. इसी क्रम में डायवर्जन शुल्क जमा न करने वाले एक गार्डन को राजस्व विभाग की टीम ने सील कर दिया. यह कार्रवाई तहसीलदार और नायब तहसीलदार की मौजूदगी में की गई. विभाग का कहना है कि लंबे समय से बकाया राशि जमा नहीं की जा रही थी, जिसके चलते यह कदम उठाना पड़ा.

तहसील क्षेत्र में कई ऐसे गार्डन, स्कूल, अस्पताल और अन्य व्यावसायिक संस्थान हैं, जिन्होंने भूमि का डायवर्जन कराए बिना या उसका शुल्क जमा किए बिना संचालन शुरू कर दिया है. ऐसे मामलों में राजस्व विभाग द्वारा लगातार नोटिस जारी किए जा रहे थे, लेकिन कई जगहों से राशि जमा नहीं की गई. इसी को देखते हुए अब विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है.राजस्व विभाग की टीम द्वारा बुधवार को शहर के एक गार्डन का निरीक्षण किया गया, जहां डायवर्जन की बकाया राशि लंबे समय से जमा नहीं की गई थी.विभाग द्वारा कई बार नोटिस देने के बावजूद भुगतान नहीं होने पर गार्डन को सील कर दिया गया. कार्रवाई के दौरान राजस्व अमला मौके पर मौजूद रहा और गार्डन के मुख्य प्रवेश द्वार पर सील लगाई गई.तहसीलदार ने बताया कि विदिशा तहसील क्षेत्र में करीब 38 लाख रुपये की राजस्व वसूली की जानी है। इसके लिए राजस्व विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है.टीम अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर गार्डन, स्कूल, अस्पताल और अन्य संस्थानों का निरीक्षण कर रही है. जिन संस्थानों पर डायवर्जन या अन्य राजस्व मदों की राशि बकाया है, उनसे तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए जा रहे हैं.नायब तहसीलदार ने भी बताया कि राजस्व वसूली को लेकर प्रशासन पूरी तरह सख्त है.

अभियान आगे भी रहेगा जारी-राजस्व विभाग

राजस्व विभाग का कहना है कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और बकाया राजस्व की वसूली सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे. प्रशासन ने सभी संबंधित संस्थानों से समय रहते बकाया राशि जमा कराने की अपील की है, ताकि किसी प्रकार की कार्रवाई से बचा जा सके.

एक नजर में

गोयल बने अध्यक्ष

नवभारत न्यूज

विदिशा, श्रीराम चरित मानस समारोह समिति के चुनाव 15 मार्च को सम्पन्न हुये जिसमें पदाधिकारियों को निर्विरोध चयन किया गया. अध्यक्ष अशोक गोयल, उपाध्यक्ष नंदलाल कर्ण, सचिव संतोष ताम्रकार, कोषाध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव, सह सचिव गोपाल खंडेलवाल, कार्यकारिणी सदस्य मनीष अग्रवाल, महेन्द्र श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, चंद्रशेखर शर्मा, वीरसिंह राजपूत को बनाया गया. चुनाव अधिकारी दीपक तिवारी ने चुनाव सम्पन्न कराये. शिरोमणी सिंह कुशवाह को संयोजक, हरवंश तिवारी को सह संयोजक और सुनीला माकबे को महिला प्रकोष्ठ अधिकारी बनाया गया.

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

एमएसपी, केसीसी ऋण तिथि बढ़ाने, बिजली व्यवस्था और एसएमएस अनिवार्यता समाप्त करने उठाई मांगें

नवभारत न्यूज

विदिशा,किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ, तहसील विदिशा द्वारा मध्यप्रदेश सरकार के नाम एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा गया है.इस ज्ञापन में किसानों की आर्थिक स्थिति, फसल विक्रय, बिजली व्यवस्था और बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगों को उठाया गया है.

किसान संघ ने सरकार से इन मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर किसानों को राहत देने की अपील की है.भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि गेहूं और चना सहित अन्य फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाने की आवश्यकता है. संघ का कहना है कि बढ़ती लागत को देखते हुए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2700 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके और वे आर्थिक रूप से मजबूत हो सकें.

ज्ञापन में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया है. किसान संघ का कहना है कि वर्तमान में केसीसी ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च निर्धारित है, जिसे बढ़ाकर 15 मई तक किया जाना चाहिए. इससे किसानों को राहत मिलेगी और वे समय पर अपना ऋण चुका सकेंगे.इसके अलावा किसानों ने बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का भी जिक्र किया है. संघ ने मांग की है कि किसानों को पर्याप्त और नियमित बिजली उपलब्ध कराई जाए, ताकि सिंचाई कार्य प्रभावित न हो.साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली से संबंधित अव्यवस्थाओं को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई है.ज्ञापन में फसल विक्रय से जुड़ी परेशानियों का भी उल्लेख किया गया है.किसान संघ ने कहा कि मंडियों में किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए और खरीद प्रक्रिया को सरल बनाया जाए. इससे किसानों को लंबी कतारों और अनावश्यक परेशानियों से राहत मिल सकेगी.इसके साथ ही किसानों ने हार्वेस्टर के उपयोग के दौरान एसएमएस व्यवस्था को अनिवार्य किए जाने पर आपत्ति जताई है. संघ का कहना है कि इस व्यवस्था के कारण किसानों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए इसे समाप्त किया जाए.भारतीय किसान संघ ने उम्मीद जताई है कि प्रदेश सरकार किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही उचित निर्णय लेगी, जिससे किसानों को राहत मिल सके.

दो महीने से सचिव और सहायक सचिव न होने से पंचायत कार्य ठप

नवभारत न्यूज

विदिशा,जिले की ग्राम पंचायत कोटरा लश्करपुर के सरपंच नरेंद्र सिंह दांगी ने पंचायत में सचिव और सहायक सचिव की नियुक्ति न होने से परेशान होकर कलेक्टर को पत्र लिखकर इस्तीफा देने का संकेत दिया है.सरपंच ने अपने पत्र में बताया कि पिछले करीब दो महीनों से ग्राम पंचायत में सचिव और सहायक सचिव का पद खाली है, जिसके कारण पंचायत के अधिकांश शासकीय और विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं.सरपंच नरेंद्र सिंह दांगी का कहना है कि सचिव और सहायक सचिव के अभाव में पंचायत से जुड़े कई जरूरी काम अटक गए हैं.ग्रामीणों को प्रमाण पत्र, योजनाओं से संबंधित कार्य और अन्य प्रशासनिक कामों में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इससे गांव के लोगों में भी नाराजगी बढ़ रही है.उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले भी जिला पंचायत और जनपद पंचायत के अधिकारियों से कई बार सचिव और सहायक सचिव की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हो सका है.सरपंच ने कलेक्टर को लिखे पत्र में कहा है कि यदि जल्द ही ग्राम पंचायत में सचिव और सहायक सचिव की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की जाती है तो पंचायत के कार्य सुचारु रूप से संचालित करना संभव नहीं होगा.ऐसी स्थिति में सरपंच पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं रह जाता.

एक साल में हो सकी जांच, तीन डॉक्टरों के खिलाफ पुलिस ने किया मामला दर्ज

वर्मा नर्सिंग होम में इलाज के दौरान हुई थी महिला की मौत

नवभारत न्यूज

विदिशा, सांची रोड स्थित वर्मा नर्सिंग होम में इलाज के दौरान हुयी महिला की मौत के बाद अब करीब पुलिस ने एफआईआर दर्ज की. इस मामले में पुलिस ने तीन डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया. एक साल से ज्यादा लम्बा समय सिर्फ जांच करने में ही निकाल दिया गया.इलाज के दौरान लापरवाही के आरोप में तीन डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. थाना कोतवाली विदिशा में दर्ज एफआईआर के अनुसार मुड़रा पीताम्बर निवासी राकेश रघुवंशी ने शिकायत दर्ज कराई कि उनकी पत्नी ज्योति रघुवंशी (26) का इलाज के दौरान निधन हो गया.

शिकायत में बताया गया है कि ज्योति रघुवंशी का बच्चेदानी से संबंधित बीमारी का इलाज करीब आठ महीने से डॉक्टर शरद कुशवाह के क्लीनिक पर चल रहा था. 14 फरवरी 2025 की सुबह डॉक्टर शरद कुशवाह ने जांच के लिए उन्हें वर्मा अस्पताल, शास्त्री नगर में भर्ती कराया. सुबह करीब 10 बजे जांच के लिए डॉक्टर शरद कुशवाह, डॉक्टर निधि वर्मा और डॉक्टर अंकित श्रीवास्तव ने मरीज को ऑपरेशन थियेटर में ले जाया गया.परिजनों का आरोप है कि दोपहर करीब 2 बजे बिना उचित जानकारी दिए एंबुलेंस से ज्योति रघुवंशी को जिला अस्पताल विदिशा भेज दिया गया. वहां पहुंचने पर उन्हें आईसीयू वार्ड में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद ज्योति को मृत घोषित कर दिया.मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर द्वारा गठित जांच दल ने पूरे प्रकरण की जांच की.

जांच रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल तथा हिस्टोपैथोलॉजी रिपोर्ट के आधार पर पाया गया कि उपचार के दौरान लापरवाही बरती गई.पुलिस ने डॉक्टर शरद कुशवाह, डॉक्टर अंकित श्रीवास्तव और वर्मा अस्पताल के संचालक डॉक्टर निधि वर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है. मामले की विवेचना सहायक उपनिरीक्षक मुकेश ठाकुर को सौंपी गई है.पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

स्वच्छता के नाम पर लाखों का बजट खर्च, फिर भी शहर बदहाल-कांग्रेस

नगर पालिका की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस की रैली और प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

विदिशा, नगर पालिका की कार्यप्रणाली और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया. प्रदर्शन की शुरुआत स्थानीय माधवगंज चौराहे से हुई, जहां से कार्यकर्ता मुख्य मार्गों से होते हुए नगर पालिका कार्यालय पहुंचे. रैली के दौरान कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर नगर पालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चल रहे थे.

नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया और मौके पर पहुंचे तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर जनविरोधी फैसलों को वापस लेने की मांग की.रैली के समापन पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने आरोप लगाया कि विदिशा नगर पालिका को शासन से डबल प्लस श्रेणी का दर्जा प्राप्त है, जिसमें हर साल करोड़ों रुपये का बजट खर्च होता है, इसके बावजूद शहर की हालत बदहाल बनी हुई है. उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हैं और बिना किसी योजना के कभी भी सड़कों की खुदाई कर दी जाती है, जिससे व्यापारियों का कारोबार प्रभावित होता है और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है.उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका ने पिछले वर्षों में 50 से अधिक कचरा वाहन खरीदे, लेकिन रखरखाव के अभाव में आधे से ज्यादा वाहन कबाड़ हो चुके हैं. वहीं हर महीने लाखों रुपये का डीजल खर्च दिखाया जाता है, जबकि शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है.इसके साथ ही जनता पर कचरा टैक्स के नाम पर आर्थिक बोझ भी डाला जा रहा है.कांग्रेस नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि नगर पालिका की विभिन्न शाखाओं में वर्षों से चहेते लोगों को प्रभारी बनाकर रखा गया है, जिससे जनता के हित प्रभावित हो रहे हैं.उन्होंने प्रशासन से योग्य अधिकारियों की नियुक्ति कर व्यवस्था सुधारने की मांग की.कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आगामी चरण में कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा.प्रदर्शन में कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे.

एआई बना रहा नकली रिश्तों की दुनिया ऐप्स के जरिए बढ़ रही साइबर ठगी

नवभारत न्यूज

विदिशा, डिजिटल तकनीक के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल के साथ इंटरनेट पर एआई आधारित वर्चुअल रिश्तों का चलन भी तेजी से बढ़ रहा है. इन दिनों ऐसी कई मोबाइल ऐप्स सामने आ रही हैं जो यूजर्स को एआई गर्लफ्रेंड, बॉयफ्रेंड या वर्चुअल पार्टनर उपलब्ध कराने का दावा करती हैं.इन ऐप्स में कहा जाता है कि यूजर वर्चुअल साथी के साथ चैट कर सकता है, वीडियो कॉल कर सकता है और निजी बातचीत भी कर सकता है. हालांकि साइबर विशेषज्ञों का मानना है कि यह ट्रेंड भविष्य में साइबर अपराध का बड़ा माध्यम बन सकता है.

साइबर एक्सपर्ट संयोग श्रीवास्तव के अनुसार इन ऐप्स का इस्तेमाल कर ठग लोगों की भावनाओं और अकेलेपन का फायदा उठाने लगे हैं. शुरुआत में ये ऐप्स सामान्य और दोस्ताना बातचीत के जरिए यूजर का भरोसा जीतती हैं. धीरे-धीरे बातचीत को भावनात्मक रूप दिया जाता है और फिर वीडियो कॉल, प्राइवेट चैट या प्रीमियम फीचर्स के नाम पर पैसे मांगे जाने लगते हैं.कई मामलों में यूजर्स को यह भ्रम होता है कि वे किसी वास्तविक व्यक्ति से बात कर रहे हैं, जबकि वास्तव में सामने एआई आधारित प्रोग्राम होता है जो यूजर के व्यवहार के अनुसार जवाब देता है। कई बार यूजर्स से निजी फोटो, वीडियो या अन्य संवेदनशील जानकारी भी मांगी जाती है.बाद में इसी जानकारी का इस्तेमाल ब्लैकमेलिंग या साइबर ठगी के लिए किया जा सकता है.विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे आर्टिफिशियल रिश्तों का युवाओं और बच्चों पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है.इससे वास्तविक सामाजिक रिश्तों से दूरी बढ़ने के साथ मानसिक तनाव और डिजिटल लत का खतरा भी बढ़ सकता है.साइबर विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि किसी भी अनजान ऐप को डाउनलोड करने से पहले उसकी विश्वसनीयता जरूर जांचें और अपनी निजी जानकारी या फोटो किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर साझा करने से बचें.साथ ही अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत है, ताकि उन्हें साइबर ठगी और गलत संपर्कों से सुरक्षित रखा जा सके.

राज्य स्तर शिविर से लौटी छात्रा का किया गया सम्मान

नवभारत न्यूज

विदिशा, स्थानीय सेंट मेरी पीजी कॉलेज विदिशा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्रा कु. पलक बानित्कर बीएससी फर्स्ट ने राष्ट्रीय सेवा योजना मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर चित्रकूट तहसील मझगवा जिला सतना, मध्यप्रदेश में 8 से 14 मार्च तक आयोजित बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की ओर से राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता की. शिविर में छात्रा का प्रदर्शन सरहानीय रहा. वहां टीम वर्क, समस्या समाधान, संचार कौशल, प्रभावी नेतृत्व, के विभिन्न सत्रों में सहभागिता की.संस्था में लौटने पर छात्रा की उपलब्धि पर संस्था सचालक फादर सिटो वर्गीज, प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सचान द्वारा सम्मानित किया गया, इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी प्रो अरविंद द्विवेदी, प्रो दीपा राठौर (महिला इकाई), सिस्टर प्रभावती एवं स्टाफ मेम्बर्स एवं छात्रों द्वारा बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की गई.

संगीत संध्या 'गीत माला-2' में कलाकारों ने बांधा समा

नवभारत न्यूज

विदिशा,रविन्द्र भवन स्थित अंजनी सभागार में रविवार को स्वर वाटिका संस्था द्वारा संगीत संध्या 'गीत माला-2' का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में देश के विभिन्न शहरों से आए कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. सुर और ताल के शानदार संगम से सभागार देर तक तालियों की गूंज से गूंजता रहा.संस्था की अध्यक्ष आशी द्विवेदी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य शास्त्रीय और सुगम संगीत के बीच सेतु बनाना है। इस दौरान विदिशा के कलाकार मधुसूदन पचौरी ने सात अलग-अलग गायकों की आवाज में गीत प्रस्तुत कर अपनी अनूठी प्रतिभा से दर्शकों को खासा प्रभावित किया.कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों की बड़ी संख्या मौजूद रही.

मंडी कृषि उपज मंडी विदिशा में 35 हजार 560 क्विंटल उपज की आवक, कई फसलों के भाव MSP के आसपास

मंडी में गेहूं 1544 की सबसे अधिक आवक, सरसों और मसूर के दामों में तेजी

नवभारत न्यूज

विदिशा, कृषि उपज मंडी में सोमवार को विभिन्न कृषि जिंसों की कुल 35 हजार 560 क्विंटल आवक दर्ज की गई.मंडी द्वारा जारी दैनिक आवक एवं भाव पत्रक के अनुसार इस दिन सबसे अधिक आवक गेहूं 1544 की रही. गेहूं 1544 के 528 अनुबंधों के साथ 21 हजार 936 क्विंटल की बड़ी मात्रा मंडी में पहुंची। इस किस्म का न्यूनतम भाव 1800 रुपए, अधिकतम 3100 रुपए और मॉडल भाव 2600 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया, जबकि इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य 2625 रुपए है.

इसी तरह गेहूं 306 (शरबती) की 823 क्विंटल आवक दर्ज की गई.इसके भाव 2680 रुपए से लेकर 3490 रुपए प्रति क्विंटल तक रहे और मॉडल भाव 2800 रुपए रहा. सोयाबीन की 1270 क्विंटल आवक रही, जिसके दाम 3690 से 5496 रुपए के बीच रहे तथा मॉडल भाव 4800 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया.धान की 6882 क्विंटल आवक के साथ मंडी में अच्छी आमद रही. धान का न्यूनतम भाव 1300 रुपए, अधिकतम 4355 रुपए और मॉडल भाव 3900 रुपए प्रति क्विंटल रहा. चना की 1254 क्विंटल आवक दर्ज की गई, जिसके भाव 3240 से 5462 रुपए तक रहे और मॉडल भाव 5340 रुपए प्रति क्विंटल रहा.मसूर के दामों में भी तेजी देखने को मिली.मसूर का अधिकतम भाव 7170 रुपए और मॉडल भाव 6000 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया, जबकि इसका एमएसपी 7000 रुपए है. सरसों की 411 क्विंटल आवक रही और इसके दाम 4040 से 7200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचे, जबकि मॉडल भाव 5925 रुपए रहा.इसके अलावा मक्का, तिवड़ा, तुअर, धनिया और बटरी जैसी फसलों की भी सीमित मात्रा में आवक दर्ज की गई. मंडी प्रशासन के अनुसार कुल 1086 अनुबंधों के माध्यम से किसानों की उपज की खरीदी की गई, जिससे मंडी परिसर में पूरे दिन व्यापारिक गतिविधियां जारी रहीं.

धूमधाम से मना होली फाग महोत्सव, महिलाओं की शानदार सहभागिता

नवभारत न्यूज

विदिशा,कर्तव्य सोशल वेलफेयर सोसाइटी, विदिशा द्वारा अभिनंदन गार्डन में होली फाग महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर भारतीय संस्कृति और भक्ति परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती अहिल्या गुप्ता, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मंजरी जैन, नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति शर्मा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी उपस्थित रहीं.अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य करते हैं.महोत्सव में महिलाओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित मनमोहक नृत्य एवं मधुर गायन की प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा. श्याम सुंदर जड़या जी एवं उनकी धर्मपत्नी अमिता जड़या जी द्वारा राधे-कृष्ण की बाल लीलाओं पर प्रस्तुत किया गया नृत्य कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा.कार्यक्रम का स्वागत भाषण श्रीमती मंजरी जैन द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने समिति के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक आयोजनों को बढ़ावा देने तथा महिलाओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया. साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का भी सुंदर वर्णन किया.इस अवसर पर प्रमुख रूप से सुचिता सोनी, शशि अग्रवाल, मोना राजपूत, बबीता भार्गव, किरण, ज्योति शर्मा, भूमि सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं.